मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, सोमवार, 26 जनवरी 2026
संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 8 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 135 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ ◂◂ 6

मोरहाबादी मैदान में धूमधाम से मना 77वां गणतंत्र दिवस

राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया झंडोत्तोलन

परेड और झांकियों ने मोहा मन

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली।

इस मौके पर राज्य सरकार के कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने देश के लोकतांत्रिक पर्व में भाग लेकर समारोह की शोभा बढ़ाई। समारोह के दौरान विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से आकर्षक झांकियां निकाली गईं। इन झांकियों में झारखंड की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और विकास कार्यों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर दर्शक काफी प्रभावित हुए। इस वर्ष की परेड में बंगाल पुलिस की एक बटालियन भी शामिल रही, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। कार्यक्रम के दौरान मैदान में मौजूद लोगों ने तालियों की गूंज के साथ सभी प्रस्तुतियों का स्वागत किया। पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। गणतंत्र दिवस को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मोरहाबादी मैदान और उसके आसपास के इलाकों में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। वहीं, शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कई मांगों में बदलाव किया गया, ताकि आम लोगों और अतिथियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

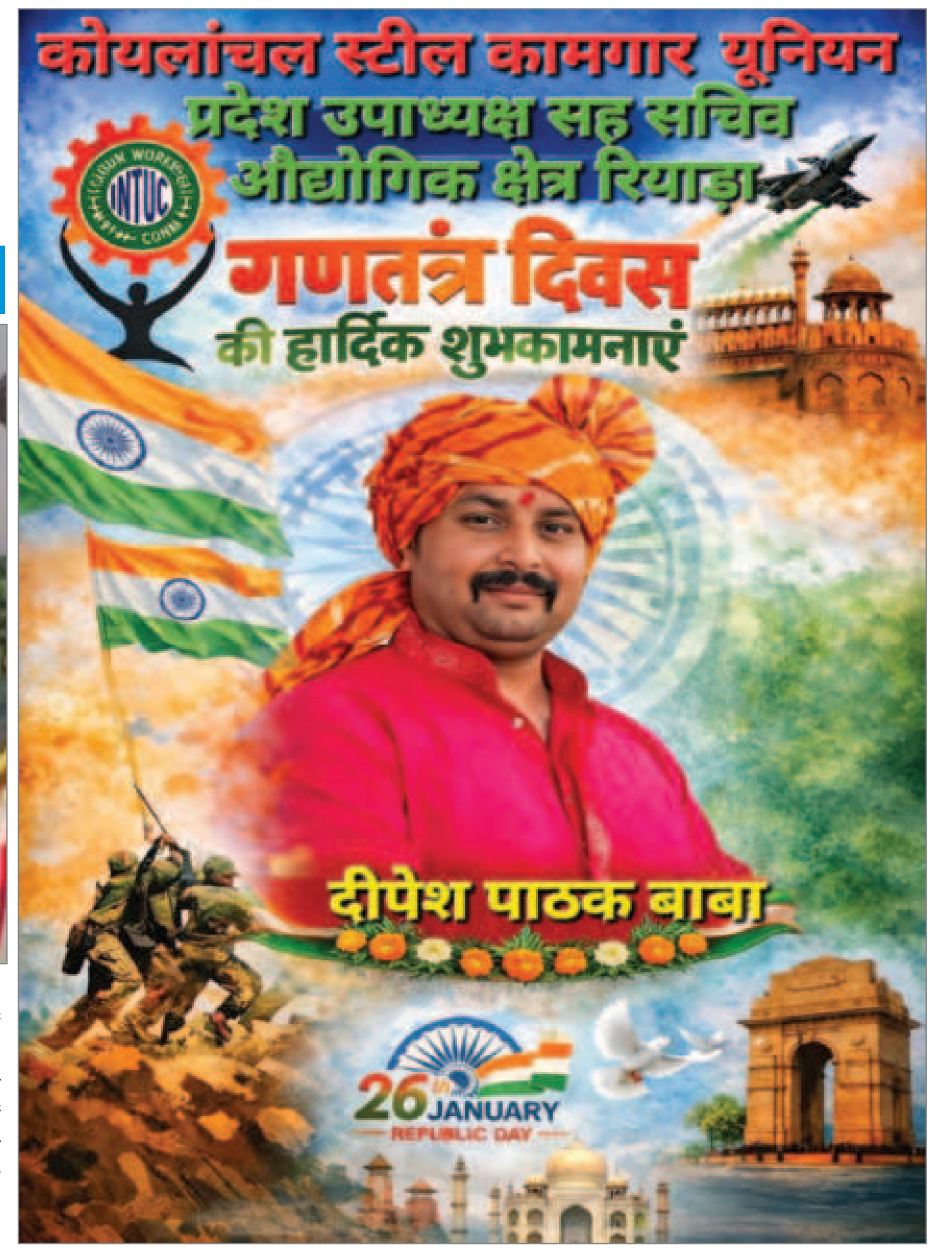

पिता को पद्म भूषण मिलने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार का जताया आभार, कहा-

शिबू सोरेन भारत रत्न थे, हैं और सदैव रहेंगे

संवाददाता

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने दिवंगत पिता शिबू सोरेन को पद्म भूषण से सम्मानित करने की घोषणा करने के लिए बीते रविवार को केंद्र सरकार का आभार जताया, वहीं उनकी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आदिवासी नेता के लिए भारत रत्न की मांग की।

शिबू सोरेन का जीवन राजनीतिक सीमाओं से कहीं परे, अनंत तक जाता है: शिबू सोरेन का नाम देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण के लिए चुने गए 13 लोगों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम सबके प्रिय, सम्माननीय और आदरणीय बाबा स्व दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन को पद्म भूषण सम्मान देने की घोषणा करने के लिए,

झारखंड की समस्त जनता की ओर से मैं केंद्र सरकार का हार्दिक आभार जताता हूं।"

उन्होंने कहा, उनका जीवन राजनीतिक सीमाओं से कहीं परे, अनंत तक जाता है। उनका संपूर्ण जीवन समता, समावेशी और सामाजिक न्याय, अस्मिता, आदिवासी पहचान, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा शोषित-वंचित वर्गों के हक और अधिकारों के लिए किए गए विराट संघर्ष का साक्षी रहा है। शिबू सोरेन जी भारत रत्न थे, हैं और सदैव रहेंगे: मुख्यमंत्री ने कहा, यह वही संघर्ष था, जिसने दशकों की सामाजिक और राजनीतिक लड़ाई के बाद झारखंड को उसका अपना अलग राज्य दिलाया। उन्होंने कहा, झारखंड की जनता के हृदय और विचारों में, और लद्दाख से केरल तक, राजस्थान से असम तक देश के आदिवासी समाज के बीच, भारत मां के सच्चे सपूत, शिबू सोरेन जी भारत रत्न थे, हैं और सदैव रहेंगे।

जेसीआई ने किया गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

संवाददाता

रांची: भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जेसीआई रांची द्वारा जेसीआई कार्यालय में एक गरिमामय एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसमें संगठन के सदस्यों ने संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जेसीआई रांची के अध्यक्ष जेएफडी अभिषेक जैन, सचिव जेएफएम साकेत अग्रवाल, जेएफएम अनुभव अग्रवाल, जेसी रिशभ छपरिया एवं संगठन के सदस्यों का योगदान रहा।

इस आयोजन का सफल संचालन प्रोजेक्ट चेयरमैन जेसी रिशभ जालान एवं को-प्रोजेक्ट चेयरमैन जेसी गौरव मुंजाल के नेतृत्व में किया गया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने भारतीय संविधान के महत्व, नागरिक कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए सभी से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिससे आपसी सौहार्द और संगठनात्मक एकता को और अधिक मजबूती मिली। जेसीआई रांची का यह आयोजन देशभक्ति के साथ-साथ सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है और समाज के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

यह जानकारी जेसीआई रांची के प्रवक्ता जेसी रवि सामौता ने दिया ।

युवा संवाद सह सदस्यता अभियान का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) द्वारा झारखंड की राजधानी रांची में युवा संवाद सह सदस्यता अभियान का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अशोक नगर स्थित होटल अमलतास परिसर में दोपहर 1:00 बजे प्रारंभ हुआ। अभियान का आयोजन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय प्रो. डॉ. संतोष कुमार सुमन (राष्ट्रीय अध्यक्ष, हम सेकुलर एवं लघु सिंचाई मंत्री, बिहार सरकार) के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) मोहम्मद कमाल परवेज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम में युवाओं के साथ-साथ महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। देश के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के कई वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम में शिरकत कर इसे गरिमा प्रदान की। प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष डब्लू महतो, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष (युवा) अविनाश श्रीवास्तव, दिल्ली प्रदेश प्रवक्ता (युवा) अविनाश जायसवाल, वरिष्ठ नेता केसी. भाई, समाजसेवी संतोष

जायसवाल, युवा प्रकोष्ठ के गार्जियन सह पटना जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद (वावा) तथा दिल्ली प्रदेश सचिव (युवा) वरुण कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता एवं झारखंड प्रदेश प्रभारी रोहित सिन्हा ने मंच संचालन की जिम्मेदारी निभाई। उनके कुशल संचालन में कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर गिरिडीह से युवा नेता अनिल सिंह, महेशमुंडा से विवेक सिंह, कोडरमा से नीतीश राज एवं धनबाद से राजीव राय की सहभागिता भी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहम्मद कमाल परवेज ने कहा कि युवाओं की संगठित शक्ति से ही पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवा ही देश की दिशा तय करते हैं, और जब युवा संगठित होंगे तो समाज और संगठन दोनों सशक्त होंगे। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मोहम्मद कमाल परवेज द्वारा हरे कृष्ण महाराज को हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) की प्रदेश युवा इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर हरे कृष्ण महाराज ने पूरे जोश और संकल्प के साथ पद स्वीकार करते हुए युवाओं को संगठन से जोड़कर पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में संगठनात्मक ऊर्जा, उत्साह एवं सकारात्मक संकल्प का संचार हुआ। अंत में सभी अतिथियों एवं सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

वार्ड संख्या 9 में बदलाव की लहर

विकास, ईमानदारी और जनसेवा के संकल्प के साथ शबाना प्रवीन चुनावी मैदान में

रांची: रांची नगर निगम चुनाव 2026 में वार्ड संख्या 9 से बदलाव की मजबूत आवाज उठ रही है। जनता के विश्वास को अपनी सबसे बड़ी पूँजी मानते हुए भावी प्रत्याशी शबाना प्रवीन ने स्वच्छ, ईमानदार और जवाबदेह नेतृत्व के साथ चुनावी मैदान में कदम रखा है। शबाना प्रवीन का स्पष्ट कहना है कि वार्ड की जनता अब खोखले वादे नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई देने वाला विकास चाहती है। जो कहें वही करें और जो करें वह दिखे – यही उनका राजनीतिक संकल्प है। उनकी प्राथमिकताओं में वार्ड की जर्जर सड़कों और नालियों का निर्माण, बिजली और पानी की पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान तथा वार्ड से जुड़ी हर जनसमस्या का त्वरित और पारदर्शी निदान शामिल है। उनका लक्ष्य वार्ड संख्या 9 को विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का आदर्श मॉडल बनाना है।

पूर्व पार्षद जावेद अख्तर ने इस अवसर पर कहा कि वार्ड को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो जनता के बीच रहे, उनकी समस्याएँ सुने और बिना भेदभाव विकास करे। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे वार्ड के भविष्य और बच्चों के कल के लिए सही निर्णय लें।

अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच चतरा जिला इकाई का भव्य वार्षिक उत्सव संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा: राष्ट्रीय बालिका दिवस के पावन अवसर पर ग्रामोदय चेतना केंद्र,चतरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच, जिला इकाई चतरा द्वारा वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित शानदार काव्य गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को साहित्य, संस्कृति और नारी सशक्तिकरण के भाव से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष डॉ. सांध्य रानी के नेतृत्व में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति मीनाक्षी जायसवाल ने दी। मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच की प्रदेश अध्यक्ष मोना बग्गा उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में उपनिर्वाचन पदाधिकारी चतरा वेदवंती कुमारी, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, मुखिया अनीता यादव, ललिता यादव, शिक्षिका सुप्रिया रश्मि, झारखंड सरकार की अवकाश प्राप्त सचिव

प्रभा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि मोना बग्गा जी ने कहा कि कविता समाज का आईना होती है और नारी चेतना को सशक्त बनाने में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

'हम होंगे कामयाब' जैसे गीत के साथ उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती जी का वक्तव्य बहुत ही प्रेरणादायक रहा। अपने उद्बोधन में डॉ. सांध्य रानी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुभकामना एवं बधाई देते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्यमंच के कार्य और उद्देश्य ही बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा, आत्मविश्वास और अवसर की समानता ही सशक्त भारत की नींव है।काव्य गोष्ठी में महिला काव्य मंच चतरा से डॉ. संध्या रानी, डॉ. साबिता बनर्जी, श्वेता सिंहा, कविता फूलवंती, मीनाक्षी जायसवाल, माधवी गुप्ता, शोभा कुजूर, अरुंधति दत्ता एवं पूजा सहनी ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। हजारीबाग से आमंत्रित अतिथि रचनाकारों में मोना बग्गा, सुप्रिया रश्मि, राजश्री, बुलबुल गुप्ता एवं लक्की ने भी अपनी सशक्त काव्य प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त अन्य रचनाकारों एवं प्रतिभागियों में ललिता यादव, इंदु सिंहा, तारा रानी, मुनिता कुमारी, मुनिका कुमारी, दीपा कुमारी, सरस्वती गुप्ता, विनीता कुमारी, अदिति सिंहा, अदिति मिश्रा, निवेदिता जी एवं शताक्षी की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में डीएवी पब्लिक स्कूल की शिक्षिकाओं, विभिन्न विभागों से आई महिलाओं, ग्रामोदय चेतना केंद्र की बालिकाओं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया और महिला सशक्तिकरण का प्रेरक संदेश दिया। कार्यक्रम पूर्णतः महिलाओं को समर्पित रहा, जिसमें नारी शक्ति की रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक भूमिका का सुंदर प्रदर्शन हुआ।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन पूजा सहनी ने किया। समापन अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन डॉ. साबिता बनर्जी द्वारा प्रस्तुत किया गया। अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।यह आयोजन न केवल साहित्यिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक चेतना के स्तर पर भी अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा। अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच, जिला इकाई चतरा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बालिकाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर, शिक्षित एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

सिल्ली कॉलेज व झामुमो पार्टी कार्यालय में अमित महतो ने किया ध्वजारोहन

मेट्रो रेज संवाददाता

सिल्ली : विधायक अमित महतो गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिल्ली कॉलेज सिल्ली, झामुमो पार्टी कार्यालय समेत कई स्कूलों में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और परेड की सलामी ली। विधायक की उपस्थिति में बुजुर्ग महिलाओं ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर उपस्थित लोगों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अमित महतो ने कहा कि देश की आजादी और संविधान के मूल्यों की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ध्वजारोहण कार्यक्रम में झामुमो

नेता शेखर महतो, सतीश तिवारी समीर ठाकुर, अखिलेश कुम्हार ,बाबुल चौधरी, सिल्ली कॉलेज के प्राचार्य प्रभारी अनंत कुमार महतो ,इंटर कॉलेज प्रिंसिपल शंकर महतो प्रो नकुल महतो प्रो विश्वनाथ मुंडा, प्रो केशव रॉय ,जनक महतो, श्रवण महतो, गोपी कर समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

चक्रधरपुर नगर परिषद प्रशासक विजय कुमार हांसदा ने किया झंडोत्तोलन

चक्रधरपुर: चक्रधरपुर नगर परिषद प्रशासक विजय कुमार हांसदा ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम महाराजा अर्जुन सिंह पार्क में झंडोत्तोलन किया और झंडे को सलामी दी। तत्पश्चात नगर परिषद कार्यालय भवन में झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर प्रशासक श्री हांसदा ने भारत के गणतंत्र दिवस के बारे में प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि – आज का दिन ऐतिहासिक और गौरव

पूर्ण है आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ। इस अवसर पर काफी संख्या में गणमान्य और नगर परिषद परिवार के लोग उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस सांस्कृतिक मंच पर डीएवी पब्लिक स्कूल डोमचांच का लहराया परचम शानदार प्रस्तुति से जीता सबका दिल

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैया (कोडरमा): 77वें गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के अवसर पर जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में ऊअ.श पब्लिक स्कूल, डोमचांच के विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे कार्यक्रम में विशेष पहचान बनाई। देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य, मनमोहक गीत और अनुशासित मंच प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम स्थल को तिरंगे रंगों की भव्य सजावट से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम और उत्साह से सराबोर नजर आया। जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, लेकिन ऊअ.श पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों की प्रस्तुति सबसे प्रभावशाली और आकर्षक रही। बच्चों ने अपने नृत्य और गीतों के माध्यम से देश की एकता, अखंडता, संविधान के सम्मान और शहीदों के बलिदान का भावपूर्ण संदेश दिया। उनकी ऊर्जा, तालमेल और आत्मविश्वास ने मंच को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षाविदों और दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के मार्गदर्शन में तैयार यह प्रस्तुति युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने वाली रही। कुल मिलाकर यह सांस्कृतिक आयोजन गणतंत्र दिवस की गरिमा के अनुरूप अत्यंत सफल, प्रेरणादायक और स्मरणीय साबित हुआ।

झारखंड कॉलेज ऑफ फार्मेसी में धूमधाम से संपन्न हुआ मां का विसर्जन

नम आंखों से दी गई मां शारदे को विदाई

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैया: झारखंड कॉलेज ऑफ फार्मेसी परिसर में वसंत पंचमी के पावन अवसर पर आयोजित मां सरस्वती पूजा महोत्सव का भावुक समापन रविवार को विधिवत मूर्ति विसर्जन के साथ संपन्न हुआ। ज्ञान, संगीत और कला की देवी मां शारदे को विदाई देने के लिए कॉलेज परिसर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा। समारोह की शुरूआत प्रातः विशेष आरती एवं हवन के साथ हुई। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक उन्नति, सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मां शारदे से आशीर्वाद प्राप्त किया। विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत घट विसर्जन की परंपरा पूरी की गई। इसके बाद कॉलेज परिसर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली

गई। पारंपरिक परिधानों में सजे छात्र-छात्राएं ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य करते हुए आगे बढ़े। पूरा वातावरण सरस्वती माता की जय एवं आसछे बोछोर आबार होबे (अगले वर्ष फिर आना) के जयघोष से गूंज उठा। शोभायात्रा के दौरान छात्रों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर पर झारखंड कॉलेज ऑफ फामेर्सी के सचिव डॉ डीएन मिश्रा, प्राचार्य डॉ. मिथिलेश कुमार ने कहा कि सरस्वती पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि शैक्षणिक संस्कृति और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस श्रद्धा, अनुशासन और समर्पण के साथ छात्रों ने इस आयोजन को सफल बनाया है, वह सराहनीय है। विसर्जन का क्षण भावुक अवश्य होता है, लेकिन यह हमें निरंतर ज्ञानार्जन और आत्मविकास की प्रेरणा भी देता है। विसर्जन के दौरान सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सभी नियमों का सख्ती से पालन किया गया। शांतिपूर्ण एवं अनुशासित माहौल में मूर्ति विसर्जन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण एवं सामुदायिक भोज के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे: कोऑर्डिनेटर अरमान हुसैन , प्रो. उज्ज्वल कुमार प्रोफेसर अनिल कुमार, झारखंड विधि महाविद्यालय के उप प्राचार्य अजय भट्टाचार्य, अमित कुमार, धर्मेंद्र पांडे, प्रमोद सिंह, विनोद सिंह, धनेश्वर महतो, प्रमोद मिश्रा, दिनकर मिश्रा, सचिन कुमार, पंकज कुमार, रंजीत कुमार, गायत्री लता कुमारी, रिया, अनीशा, कृष्ण कुमार यादव, स्नेहा कुमारी, अंजली कुमारी, नीतीश कुमार पांडे एवं विशाल कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

झारखंड नगर निकाय चुनाव की घोषणा सप्ताह के अंत में संभव

अधिसूचना जारी करने की तैयारी में राज्य निर्वाचन आयोग

संवाददाता

रांची: झारखंड में लंबे समय से प्रतीक्षित शहरी स्थानीय निकाय चुनाव की घोषणा जनवरी के अंतिम सप्ताह में संभावित है। सूत्रों के अनुसार, राज्य निर्वाचन आयोग ने इसकी तैयारी कर ली है। आयोग की घोषणा के साथ निकायों में चुनाव प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जायेगी। इससे पहले ही आयोग ने शहरी स्थानीय निकायों में वार्डों के आरक्षण से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही गजट प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी कर ली है।

आयोग की तैयारियों के मुताबिक, अब केवल चुनाव तिथि की घोषणा ही शेष है, जिसे आयोग जनवरी के अंतिम सप्ताह में जारी कर देगी। चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जायेगी और साथ ही आदर्श आचार संहिता भी लागू हो जायेगी। झारखंड के कुल 48 नगर निकायों में चुनाव प्रस्तावित हैं, जिनमें नौ नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायत शामिल हैं।

आयोग की तैयारियों के मुताबिक, अब केवल चुनाव तिथि की घोषणा ही शेष है, जिसे आयोग जनवरी के अंतिम सप्ताह में जारी कर देगी। चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जायेगी और साथ ही आदर्श आचार संहिता भी लागू हो जायेगी। झारखंड के कुल 48 नगर निकायों में चुनाव प्रस्तावित हैं, जिनमें नौ नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायत शामिल हैं।

चुनावी माहौल से बढ़ रहा उत्साहः चुनाव की घोषणा राज्य में राजनीतिक गतिविधियों को और गति देगी। इससे दलों और उम्मीदवारों की रणनीति भी स्पष्ट होने लगेगी। राज्य के सभी नगर निकायों में चुनाव की तैयारियां शुरू हो गयी हैं, जिससे चुनावी माहौल का उत्साह बढ़ रहा है। नगर निकायों में चुनाव के निर्णय के साथ ही स्थानीय स्तर पर विकास, आधारभूत सुविधाओं और नागरिक सेवा से जुड़े मुद्दों पर भी बहस तेज हो गयी है। झारखंड में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्री-रिवीजन अवधि में अबतक 72 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग बीएलओ ऐप के माध्यम से पूरी हो चुकी है। ये बातें राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने कहीं। वह 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रविवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मताधिकार के प्रयोग के लिए मतदाता सूची में नाम होना अनिवार्य है। मतदाता अपने बीएलओ से आसानी से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए बुक ए कॉल की सुविधा दी गयी है। इसके तहत बीएलओ 48 घंटे में मतदाता से संपर्क करेंगे। उन्होंने बताया कि गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ घर-घर जाकर स्टीकर लगायेंगे, जिसमें बीएलओ का मोबाइल नंबर और मतदाता का मकान नंबर अंकित होगा।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बांग्लादेश में फिर एक हिन्दू की हत्या: भारत सरकार की चुप्पी बनेगी आगे भी काल का कारण

बांग्लादेश एक बार फिर खून से लाल है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार मारा गया व्यक्ति कोई राजनेता नहीं, कोई उग्रवादी नहीं, बल्कि एक साधारण हिन्दू युवक था; चंचल चंद्र भौमिक। उसे किसी न?यायालय ने सजा नहीं दी थी, किसी युद्ध में वह दुश्मन नहीं था, फिर भी उसे जिंदा जला दिया गया। उसका अपराध सिर्फ इतना था कि वह हिन्दू था और बांग्लादेश में जी रहा था। यह हत्या कोई नई बात नहीं न कोई अपवाद है, यह तो उस निरंतर चल रहे हिन्दू संहार की एक और कड़ी है, जिसे बांग्लादेश सरकार या तो देख नहीं पा रही या जानबूझकर अनदेखा कर रही है। 23 जनवरी की आधी रात नरसिंगदी जिले के एक गैरेज में जो हुआ वह बांग्लादेशी राज्य में चंचल चंद्र भौमिक के जरिए फिर एक सार्वजनिक चेतावनी है कि हिन्दू होना अब इस देश में मौत को न्योता देना है। यदि यह अपराध किसी व्यक्तिगत रंजिश का नतीजा होता, तब ही माना जा सकता था कि आपसी विवाद का ये परिणाम है, किंतु ऐसा बिल?कुल भी सामने नहीं आया है। बार-बार हिन?दुओं को जिंदा जलाना प्रतीक होता है जैसे बांग?लादेश में गैर मुसलमानों के लिए इस?लामिक जिहादी ताकतें भय का, आतंक का और वर्चस्व स्थापित करने का एक ऐसा वातावरण तैयार कर रही हैं, जिसमें सिर्फ इस?लाम को माननेवाले ही रह सकते हैं! चंचल से पहले गाजीपुर के कालीगंज में लिटन चंद्र घोष को बेलचे से सिर कुचलकर मार दिया गया। उसके बाद राजबाड़ी में पेट्रोल पंप पर काम करने वाले रिपन साहा को एक बीएनपी नेता ने गाड़ी से रौंद डाला। इन घटनाओं में समानता साफ है, पीड़ित हिन्दू हैं और अपराधियों को सत्ता-संरक्षण का भरोसा है। कभी देवी-देवताओं की तस्वीरें बहाना बनती हैं, कभी पैसे का विवाद। असल वजह हमेशा एक ही रहती है मजहबी (धार्मिक) घृणा।

मानवाधिकार संगठनों के अनुसार केवल छह महीनों में 116 से अधिक अल्पसंख्यकों की हत्या हुई, जिनमें अधिकांश हिन्दू थे। दिसंबर 2025 में ही 51 सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं दर्ज की गईं। ये आंकड़े किसी आंतरिक अशांति के नहीं, बल्कि सुनियोजित हिंसा के हैं। यह एक पैटर्न है; लक्षित हत्या, मॉब लिंचिंग, झूठे ईशनिंदा आरोप और प्रशासनिक चुप्पी के।

आज इस्लामिक साम्राज्यवाद के नजरिए से देखें तो दिख यही रहा है कि 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना के साथ जिस मजहबी राजनीति ने जन्म लिया, वही आज बांग्लादेश में हिंसा का मूल है। भूमि की स्वाभाविक पहचान को मिटाकर एक आरोपित पहचान थोपने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहा अत्याचार इसी ऐतिहासिक संघर्ष का परिणाम है। किंतु इस?लामिक जिहादी ये भूल जाते हैं कि नाम बदल देने से इतिहास नहीं बदलता। सिंधु देश भारत था, है और रहेगा, चाहे उसके कितने ही टुकड़े क्यों न कर दिए जाएं।

आप देखेंगे कि हर हिन?दू हत्या के बाद बांग्लादेश पुलिस का एक तयशुदा बयान आता है, ह्लजांच जारी हैह्व, ह्लसभी एंगल देखे जा रहे हैंह्व। लेकिन नतीजा शून्य रहता है। न त्वरित न्याय, न कठोर सजा। कई मामलों में एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। जब राज्य अपराधियों को दंडित नहीं करता, तब समझलें कि वह अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जिहादियों को, हिंसक इस?लामवादियों को लाइसेंस दे देता है। कहना होगा कि मोहम्मद यूनुस के शासनकाल में जिस तरह अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं, वह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं कही जा सकती है, यह तो राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव का प्रमाण और सीधे तौर पर हिन?दू हत?या करवाना है।

यह देखकर ओर आश?चर्य एवं दुख होता है कि एक तरफ आज का वैश्विक उदार वर्ग गाजा पर आंसू बहाता है, जिसमें कि भारत में भी ऐसे लोगों की एक बड़ी संख?या है, किंतु बांग्लादेश में जिंदा जलाए जा रहे हिन्दुओं पर उसकी आवाज गुम हो जाती है। भारत में कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों को उमर खालिद की जेल ज्यादा बड़ी मानवाधिकार समस्या लगी, पर बांग्लादेश में हिन्दू महिलाओं के बलात्कार, मंदिरों की आगजनी और लक्षित हत्याएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। निश?चि?त ही ये भारत में इस प्रकार की सोच रखनेवालों के लिए और वैश?विक स?तर पर यह संवेदनशीलता नहीं है, यह सीधे तौर पर वैचारिक पाखंड है, जो हिंसा और अत?याचार पर दोहरे मापदण?ड निर्धारित करता है।

क्या बांग्लादेश के हिन्दू भारत का विषय नहीं?

यह कहना कि बांग्लादेश के हिन्दू भारत का विषय नहीं हैं, ऐतिहासिक अज्ञानता है। बंग भूमि की चेतना ढाकेश्वरी देवी से जुड़ी है। सीमाएं बदली हैं, सभ्यता नहीं। जो हिन्दू आज बांग्लादेश में मारे जा रहे हैं, वे उसी सांस्कृतिक धारा के वाहक हैं जिसकी जड़ें भारत में हैं। जब किसी सभ्यतागत समुदाय को उसकी पहचान के कारण मिटाने का प्रयास होता है, तो उस सभ?यता के माननेवालों का यह दायित?व है कि वे उसके हित संरक्षण में खुलकर बोलें, साथ खड़ें हों, लिख सकें तो लिखें, जहां प्रतिकार कर सकते हैं, वहां उसके समर्थन में वो भ करें। ऐसे में स?वभाविक तौर पर आज भारत का मौन कूटनीतिक से अधिक नैतिक अपराध बनता हुआ दिख रहा है। समझ नहीं आता कि कभी भारत से अलग हुए बांग?लादेश के लिए बहुसंख?यक हिन?दू जनसंख?या वाले भारत की क?या मजबूरियां हैं जो वो यूनिस सरकार को सख?त संदेश नहीं दे पा रहा है!

बेशक; भारत सरकार ने चिंता जताई है, रिपोर्टें मंगाई हैं, कूटनीतिक भाषा में बयान दिए हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि कट्टरपंथ बयान नहीं समझता, वह केवल दबाव समझता है। यदि भारत इस मुद्दे पर निर्णायक, आक्रामक और निरंतर अंतरराष्ट्रीय दबाव नहीं बनाएगा तो यह हिंसा सीमा पार अस्थिरता का रूप ले सकती है। संसदीय समितियां पहले ही चेतावनी दे चुकी हैं कि बांग्लादेश की स्थिति 1971 के बाद सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती है, किंतु अंततः अंतिम निर्णय तो भारत सरकार को ही इसमे लेना है।

आज चंचल चंद्र भौमिक की हत्या फिर बता रही है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के लिए भविष्य और भी अंधकारमय होता जा रहा है। दूसरी ओर भारत को भी यह समझना होगा कि जब इतिहास पुकार रहा हो, तब मौन साधना नहीं, हस्तक्षेप करना ही धर्म होता है। क्योंकि अन्याय पर चुप्पी अंततः स्वयं काल बन जाती है।

देश में जल प्रबंधन के भगीरथ प्रयास

यह भी समझना जरूरी है कि भूजल प्रबंधन एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण का हिस्सा है। भूजल प्रबंधन के मूल आधार हैं- भूजल (जलभृतों) के कार्य और उपयोग, उन पर कार्यरत समस्याएँ और दबाव (खतरे), तथा प्रबंधन उपायों का भूजल प्रणाली की समग्र कार्यप्रणाली और स्थिरता पर प्रभाव।

वैश्विक जल संकट के बीच भारत में आशा का नया संचार हुआ है। पानी खासतौर पर भूजल के संरक्षण के प्रयास निश्चित तौर पर अच्छे संकेत दे रहे हैं। भूजल के अंतर्गत पृथ्वी का कुल 99 प्रतिशत तरल मीठा पानी समाहित है । यह हमें कई तरह के सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभ प्रदान करता है। इसमें जलवायु लचीलापन भी शामिल है। देश में भूजल कृषि गतिविधियों और पेयजल आपूर्ति का प्राथमिक आधार है। यह लगभग 62

उमाशंकर पाण्डेय

प्रतिशत सिंचाई आवश्यकता, 85 प्रतिशत ग्रामीण खपत और 50 प्रतिशत शहरी मांग को पूरा करता है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि, कृषि गहनता, औद्योगिक विस्तार, और शहरीकरण ने देश में सामूहिक रूप से भूजल प्रणालियों पर दबाव बढ़ा दिया है। इसलिए सतत भूजल प्रबंधन प्रथा को अपनाना अनिवार्य हो गया है। जल का विषय राज्य सरकारों के दायरे में आता है मगर केंद्र सरकार विशेष रूप से जल शक्ति मंत्रालय संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से देश भर में दीर्घकालिक भूजल प्रबंधन को मजबूत करने में प्रमुख भूमिका निभाता है।

दरअसल भूजल को समझना जरूरी है। भूजल वह मीठा पानी है जो मिट्टी और चट्टानों में रिसकर भूमिगत यानी भूमि के अंदर संग्रहित हो जाता है, जहां से यह स्वाभाविक रूप से बाहर आता है। यह नदियों और धाराओं के जलस्तर को बनाए रखता है तथा आर्द्रभूमि में पौधों और जंतुओं के आवास को मजबूती से प्रभावित करता है। भूमिगत परत जिसमें पर्याप्त मात्रा में भूजल संग्रहीत और संचालित हो सके, उसे जलभृत कहा जाता है। जलभृतों से पानी स्वाभाविक रूप से बहकर झरनों, धाराओं और नदियों में योगदान दे सकता है या खुदाई वाले कुओं, ट्यूबवेल और बोरवेल के माध्यम से पंप किया जा सकता है।

यह भी समझना जरूरी है कि भूजल प्रबंधन एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण का हिस्सा है। भूजल प्रबंधन के मूल आधार हैं- भूजल (जलभृतों) के कार्य और उपयोग, उन पर कार्यरत समस्याएँ और दबाव (खतरे), तथा प्रबंधन उपायों का भूजल प्रणाली की समग्र कार्यप्रणाली और स्थिरता पर प्रभाव। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के अनुसार, भूजल संसाधनों के सतत एवं संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी भूजल प्रबंधन में 4 प्रमुख प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। देश में व्यापक भूजल भंडार हैं, जिनकी भौतिक विशेषता और उपलब्धता विभिन्न क्षेत्रों में काफी भिन्न है। फिर भी हाल के दशकों में इन संसाधनों पर अत्यधिक निकासी, घटती गुणवत्ता और सीमित नियमन से तनाव बढ़ा है, जो दीर्घकालिक स्थिरता पर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। भूजल प्रणालियों पर बढ़ता दबाव तीव्र और मुख्यतः अनियमित पंपिंग से देश के कई हिस्सों में जलस्तर में तेजी से गिरावट आई है। यह तथ्य भूमिगत स्त्रोतों पर हमारी बढ़ती निर्भरता को भी दशार्ता है।

इससे जल गुणवत्ता का ह्रास होना स्वाभाविक है। खनन गतिविधियों, औद्योगिक अपशिष्टों और कृषि प्रथाओं से उत्पन्न प्रदूषण साथ ही आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे प्राकृतिक तत्वों ने क्रमिक रूप से भूजल गुणवत्ता को प्रभावित किया है। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। अनियंत्रित निकासी भी इसके कारक हैं। बढ़ते भूजल तनाव और सतत जल सुरक्षा की जरूरत के जवाब में केंद्र सरकार ने भूजल प्रबंधन को मजबूत करने, पुनर्भरण व संरक्षण को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक आकलन में सुधार लाने तथा पूरे भारत में सहभागी एवं परिणामोन्मुखी भूजल प्रबंधन को प्रोत्साहित करने वाली व्यापक नीतियों, कार्यक्रमों एवं समुदाय-प्रेरित पहलों का समूह शुरू किया है। इनमें मॉडल भूजल (विकास एवं प्रबंधन का नियमन और नियंत्रण) विधेयक प्रमुख है। इस मॉडल विधेयक को सभी राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है। इनमें से 21 ने इसे अपनाया है। इनमें बिहार, पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश प्रमुख रूप से शामिल हैं। यही नहीं, केंद्र सक्रिय रूप से राज्य सरकारों के साथ संवाद करता है ताकि भूजल संसाधनों का विवेकपूर्ण नियमन एवं सतत प्रबंधन हो।

जल शक्ति अभियानः कैच द रेन भी प्रमुख है। इस अभियान की शुरूआत 22 मार्च 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर की गई। यह अभियान जल संरक्षण पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता निर्माण एवं सामूहिक कार्रवाई को हर बूंद गिनती का संदेश मजबूत करते हुए प्रोत्साहित करता है। यह देश भर के नागरिकों को व्यावहारिक उपायों एवं समुदाय-स्तरीय सहभागिता से भारत के जल भविष्य के संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन, सभी जल निकायों की पहचान, जियो-टैगिंग एवं सूचीबद्धता, साथ ही जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक योजना, सभी जिलों में जल शक्ति केंद्र स्थापित करना, केंद्रित वनीकरण और जागरुकता सृजन पर जोर दिया जाता है। साथ ही निष्क्रिय बोरवेलों का पुनर्जीवन भी किया जा रहा है। यह भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देता है।जल संचय जन भागीदारी पहल को इसमें समाहित किया गया है। यह अभियान 06 सितंबर 2024 को शुरू किया गया। अटल भूजल योजना (अटल जल) सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के जल-तनावग्रस्त क्षेत्रों में समुदाय-नेतृत्व वाले सतत भूजल प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। 25 दिसंबर 2019 को शुरू की गई यह योजना जल जीवन मिशन के लिए जल स्त्रोतों की स्थिरता का समर्थन करती है। यह किसानों की आय दोगुनी करने के सरकारी लक्ष्य का भी समर्थन करती है तथा समुदायों में जिम्मेदार जल उपयोग को प्रोत्साहित करती है। यह जागरूकता सृजन, स्थानीय क्षमता निर्माण, अन्य सरकारी योजनाओं से समन्वय तथा उन्नत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने में भी सहायता करती है।

यही नहीं 24 अप्रैल 2022 को शुरू किया गया मिशन अमृत सरोवर देश के सभी जिलों में अमृत सरोवरों (तालाबों) के निर्माण का समर्थन करता है। प्रत्येक तालाब का न्यूनतम क्षेत्रफल एक एकड़ (0.4 हेक्टेयर) तथा जल संग्रहण क्षमता लगभग 10,000 घन मीटर निर्धारित है। मेड़बंदी- खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़ जैसे सामुदायिक जल संरक्षण के प्रयास असरकारी हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशभर के प्रधानों को परंपरागत तथा नवीन दोनों विधियों से जल संरक्षण के प्रयासों के लिए पत्र लिखा है। सामुदायिक जल संरक्षण के प्रयास का असर बुंदेलखंड में दिखने लगा है। यह मिशन जल संरक्षण बढ़ाने, सिंचित क्षेत्र का विस्तार करने तथा भूजल स्तर सुधारने का लक्ष्य रखता है, जिसमें अमृत सरोवरों का पुनर्जीवन एवं निर्माण प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण का समर्थन करता है। इससे साफ है कि देश में जल संरक्षण के सरकारी प्रयास भगीरथ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वह दिन दूर नहीं, जब देश में पानी की कमी नहीं होगी।

गणतंत्र का संधान : संकल्प और चुनौतियाँ

सन 1947 में स्वतंत्रता मिलने के बाद यह आकांक्षा 26 जनवरी 1950 को मूर्त आकार पाई जब देश ने संविधान को अपनाया था। राष्ट्र नायकों के मन में एक ऐसे गणतंत्र की छवि थी जो समाज में व्याप्त असमानताओं, गरीबी और अशिक्षा को दूर कर हाशिये पर स्थित उपेक्षितों को आगे ले चलने के साथ समग्र उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सके।

भारत को अंग्रेजों के लंबे औपनिवेशिक आधिपत्य से स्वतंत्र कराने की लड़ाई के बीच भारत के तत्कालीन नेताओं ने देश के भविष्य का स्वप्न देखते हुए पूर्ण स्वराज्य की माँग की। इसके लिए संघर्ष हुआ अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध जन आक्रोश और आंदोलन चला। अनेक वीर शहीद हुए। विभाजन की विभीषिका में लाखों लोग मारे गए और जान-माल की अपरिमित हानि हुई। इन सबके बीच गणतंत्र का स्वप्न केवल राजनैतिक सत्ता-परिवर्तन तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि इसमें आर्थिक, सामाजिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय सभी दृष्टियों से देश में स्वराज की ओर अग्रसर होने की तीव्र आकांक्षा भी हिलोरें ले रही थी।

सन 1947 में स्वतंत्रता मिलने के बाद यह आकांक्षा 26 जनवरी 1950 को मूर्त आकार पाई जब

गिरीश्वर मिश्र

देश ने संविधान को अपनाया था। राष्ट्र नायकों के मन में एक ऐसे गणतंत्र की छवि थी जो समाज में व्याप्त असमानताओं, गरीबी और अशिक्षा को दूर कर हाशिये पर स्थित उपेक्षितों को आगे ले चलने के साथ समग्र उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सके। इसकी पृष्ठभूमि में सर्वोदय की गूंज थी और संविधान उसका उपकरण समझा गया था। महान जननायक महात्मा गांधी के सपनों के अनुरूप देश में समरसता, समावेशिता, समानता, बंधुत्व और समता ले आने के प्रति जागरूक प्रतिबद्धता संविधान का मुख्य स्वर बना था। इस उद्देश्य से व्यवस्था के खाके को लेकर संविधान सभा में देश के प्रतिनिधियों के बीच लंबा और गहन विचार-विमर्श हुआ था। अंत में लोकतंत्र में सबका विश्वास और भी दृढ़ हुआ। फलतः अंग्रेजों के जाने के बाद स्वतंत्र देश ने शासन के लिए गणतंत्र की पद्धति को चुना गया। इसके तहत एक संघीय ढाँचा सोचा गया और उसके संचालन के लिए एक अत्यन्त विस्तृत लिखित संविधान भी रचा गया और उसे विधिवत अपनाया गया। यह सब बड़े अनुशासन के साथ हुआ। निश्चय ही ये नेता दूरदर्शी थे और उन्होंने बहुत हद तक भविष्य की चुनौतियों का भी अनुमान लगाया था और उसे ध्यान में रखते हुए जरूरी प्रावधान भी किए थे।

शासन की दृष्टि से संविधान की गरिमा स्थापित करते हुए कानूनी रूप से उसे निर्णायक दर्जा दिया गया। आज भी सरकार चलाने वाले मंत्री और अधिकारी गण अपना दायित्व संभालने के पहले इस संविधान के लिए अपनी पूरी प्रतिबद्धता की शपथ लेते हैं। भारतीय संविधान ही सब तरह से सर्वोपरि स्वीकार किया गया। यह गौरव का विषय है कि तमाम विघ्न बाधाओं के बीच आधुनिक गणतंत्र के रूप में देश पचहत्तर वर्षों की यात्रा पूरा कर आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व में सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बन चुका है। आज पश्चिमी देशों (और चीन भी) के सामाजिक ढांचे में लोग जहाँ तेजी से बूढ़े हो रहे हैं, भारत एक युवा देश है और आगे भी काफी समय तक युवा बना रहेगा। यह एक बड़ा अवसर हो सकता है, बशर्ते युवा वर्ग को सुशिक्षित, सच्चरित्र और सुयोग्य बनाया जाय। इसके लिए शिक्षा में बड़े निवेश और पर्याप्त सुधार की जरूरत है।

इस अवधि में देश के भीतर और बाहर अनेक परिवर्तन आए हैं और कई मोर्चों पर चुनौतियां भी मिली हैं जिन्होंने इस क्षेत्र के इतिहास और भूगोल दोनों पर असर डाला है। इस बीच देश की राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति में भी बड़े परिवर्तन हुए। लोकतंत्र में जन भागीदारी बढ़ी है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा स्थापित हुई। दूसरी ओर वैश्विक परिदृश्य में भी बड़े उतार-चढ़ाव आए। पड़ोसी देशों में बहुत समय से अस्थिरता बनी हुई है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में अशांति है और कई जगह लंबे समय से युद्ध की स्थितियाँ बनी हुई हैं। पश्चिम के देश अपने दबदबे को बनाये रखने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं और उनके समीकरण बन बिगड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका भी प्रश्नांकित हो रही है। प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ ही सत्ता और शक्ति के संतुलन जटिल, अस्थायी और बहु आयामी होते जा रहे हैं। साथ ही दूसरे देशों के साथ आपसी रिश्ता किसी देश के लिए पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण होता जा रहा है। अब किसी देश के लिए अलग-थलग रहना कठिन है। ऐसे में आर्थिक समृद्धि और उन्नति के लिए किसी भी देश के लिए आत्मनिर्भरता अत्यंत महत्वपूर्ण हो रही है। आर्थिक रूप से भी भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। अब वह विश्व की चार विशालतम अर्थ व्यवस्थाओं में शुमार है। पर जहाँ जीवन के कई क्षेत्रों में कामयाबी मिल रही है वहीं मुश्किलें भी बढ़ी हैं। आज हम सब एक ऐसे मुकाम पर पहुंच रहे हैं जो राष्ट्रीय जीवन के लिए बड़ी चुनौती सिद्ध हो रहा है। यहाँ के समाज में पवित्रता, स्वच्छता और शुद्धता पर बड़ा जोर दिया जाता रहा है। ऐसे ही परदुखकातरता और लोक-संग्रह भी महत्वपूर्ण रहा है। इसके विपरीत आज मिलावट, प्रदूषण और जिस तरह से बढ़ रहा है वह उन्नति की गति को थाम सकता है। दायित्वहीनता के चलते आए दिन दुर्घटना, अकाल मृत्यु, धन-जन हानि, पर्यावरण और प्रकृति के संसाधनों का क्षरण जैसे ऐसे परिणाम होते हैं जिनकी भरपाई नहीं की जा सकती। यह अलग बात है कि आम जनों की स्मृति अल्पकालिक होती है और लोग हादसों को आसानी से भुला देते हैं। इसी तरह प्रेस और मीडिया की चचाओं को लेकर आम जन स्तब्ध हो रहा है। राजनीति में देश की जगह जाति और क्षेत्र की अस्मिता को महत्व मिल रहा है। देश के विकास के लिए कार्य संस्कृति महत्वपूर्ण होती है। और यह एक दुखती रग है। आज किसी भी अवसर को लोग इसी दृष्टि से देखते हैं कि जो अपेक्षित योगदान है वह कितना कम हो सकता है यानी लागत कम से कम हो और उससे मिलने वाला लाभ अधिक से अधिक हो। इस जमाने में सिर्फ.कमाने की होड़ मची हुई है। नफा-नुकसान वाला बाजारू तर्क आज के जीवन का नियामक बनता जा रहा है। ऐसे में गरीब-अमीर की खाई चौड़ी होती जा रही है। प्रकृति (धरती-जल, जंगल-वायु, अन्न-मिष्ठान्न, शाक-भाजी), संस्थाएं (मीडिया, सरकारी दफ्तर, न्यायालय, वृद्धाश्रम, अस्पताल, विद्यालय, विश्वविद्यालय) के साथ-साथ दवा-दारू, आचार-विचार, नाते-रिश्ते, हर कहीं भ्रष्टाचार, बेईमानी और मिलावट की घटनाएँ बढ़ रही हैं। यह दुखद है कि दुराचरण की हद सिर्फ नेता, व्यापारी, बैंकर, न्यायाधीश, मंत्री, राज्यपाल, सचिव, अन्य अधिकारी, डाक्टर, प्राध्यापक, कुलपति सभी संलिप्त होते पाए जा रहे हैं। आर्थिक अपराधों और रिश्ते में हैवानियत के संगीन मामले दुर्भाग्य से दिन पर दिन बढ़ रहे हैं। कहाँ तो विशिष्ट जन दूसरों के लिए मानदंड बनते ताकि लोग उनका अनुसरण करते। ईमानदारी और सच्चरित्रता उनका स्वाभाविक गुण होना था और अपेक्षा थी कि वे दूसरों के लिए राह बनायेंगेः महाजनो येन गतः स पंथाः। पर यह हो नहीं पा रहा है। तमाम सरकारी प्रयासों और आम जनों के लिए हितकारी योजनाओं के बावजूद बाहुबल और धनबल के चलते सामान्य आदमी और सीमांत जनों की मुश्किलें बनी हुई हैं। संसाधनों और सुविधाओं की पहुँच को लेकर गंभीर समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं।

प्रयागराज में ही क्यों लगता है माघ मेला

साल 2026 में प्रयागराज में लगने वाला माघ मेला भारत के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। हर साल प्रयागराज में माघ मेले का आयोजन बड़े ही धूमधाम से होता है। माघ मेला को भारत के सबसे बड़े वार्षिक आध्यात्मिक आयोजनों में से एक माना जाता है। जोकि गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के त्रिवेणी संगम पर आयोजित होता है। इस दौरान लाखों की संख्या में साधु, तीर्थयात्री और श्रद्धालु प्रयागराज स्थित माघ मेला में हिस्सा लेते हैं और संगम में डुबकी लगाते हैं।

हमारे देश की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं में से एक माघ मेले का विशेष स्थान है। यूपी के प्रयागराज में हर साल माघ मेला आयोजित होता है और इसको दुनिया का सबसे पुराना और आध्यात्मिक आयोजन माना जाता है। हर साल माघ मेले में संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ लगती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हर साल इतने भव्य समारोह का कारण क्या होता है और यह मेला प्रयागराज में ही क्यों लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल हम आपको माघ मेले का महत्व, इतिहास और इससे जुड़ी रोचक बातों के बारे में...

प्रयागराज में ही क्यों लगता है माघ मेला

आध्यात्मिक और ज्योतिषीय कारणों की बात करें, तो माघ मेला सिर्फ प्रयागराज में आयोजित इसलिए होता है, क्योंकि यह दुनिया का सबसे पवित्र त्रिवेणी संगम मौजूद है। यह वो स्थान है, जहां पर गंगा, यमुना और सरस्वती नदी का एक साथ मिलन होता है।

हिंदू धर्म में प्रयागराज वह स्थान है, जहां पर ध्यान, तप और स्नान आदि से व्यक्ति पाप मुक्त होता है और जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। सदियों से प्रयागराज ही ऋषियों और मुनियों की तपोभूमि कहा जाता है। यहां पर न जाने कितने मुनियों ने तपस्या की और इस स्थान को पवित्र बनाया। इस कारण आज भी हर साल प्रयागराज में माघ मेले का आयोजन होता है।

माघ मेले का इतिहास

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में हर साल माघ मेला लगता है। यह मेला सृष्टि के सजनकर्ता ब्रह्माजी को समर्रित है। प्रयागराज को यह अवसर तीर्थ स्थल बनाता है। 54 दिनों तक चलने वाला कल्पवास काल, सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग इन चारों युगों के संचय वर्षों का प्रतीक माना जाता है। कल्पवासी, जो इस मेले में श्रद्धापूर्वक भाग लेते हैं और इस विश्वास के साथ इस अनुष्ठान से जुड़े होते हैं कि इस प्रकार की भक्ति से पिछले पापों का नाश हो सकता है। साथ ही पुनर्जन्म और कर्म के चक्र से मुक्ति मिलती है। माघ मेले के दौरान संगम में स्नान करना मोक्ष मार्ग माना जाता है, जिससे पुनर्जन्म से मुक्ति मिलती है।

माघ मेले का महत्व

प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों में माघ मेले की उत्पत्ति का वर्णन मिलता है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक देवताओं और राक्षसों द्वारा अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन हुआ था। इस दौरान अमृत की चार बूंदे अलग-अलग स्थानों पर गिरी थीं। अमृत की चार बूंदें हरिद्वार, नासिक, उज्जैन और प्रयागराज में गिरी थीं। यह स्थान कुंभ मेले के पवित्र स्थल बन गए।

टिप्स

अब घर पर बनेगा परफेक्ट दानेदार हलवा

सर्दियों में किसी एक मीठी डिश का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है, तो वह गर्मागर्म गाजर का हलवा है। अक्सर सर्दियों में लोग घर में शादी में मिलने वाला हलवा बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह शादी वाला खास स्वाद और दानेदार बनावट लाना मुश्किल होता है। कभी गाजर अधिक गल जाती है, तो कभी चीनी और घी का सही तालमेल नहीं बैठ पाता है। इस उलझन को सुलझाने के लिए आज हम आपको गाजर का हलवा बनाने की सही रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको परफेक्ट हलवा बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसको आप बिना किसी गलती के घर पर आसानी से बना सकती हैं।

ऐसे डालें शुगर

गाजर जब दूध को पूरी तरह से सोख ले और नरम हो जाए, तब इसमें स्वादानुसार चीनी मिलाएं। चीनी डालने से गाजर फिर से पानी छोड़ेगी। इस दौरान आपको लगातार गाजर को चलाते रहना है, जब तक कि चीनी का पानी पूरी तरह से सूख न जाए। आंच को मीडियम रखें, जिससे कि गाजर नीचे से जले नहीं।

धीमी आंच में पकाएं

हलवे का असली टेक्सचर देने के लिए एक बड़ी और मोटे तले की कड़ाही लें। फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ गाजर डालें और आधा लीटर फुल क्रीम दूध मिलाएं। दूध के साथ गाजर पकने से इसमें मलाईदार स्वाद आता है। इससे धीमी से मीडियम आंच पर तब तक पकाना चाहिए, जब तक कि हलवा नरम न हो जाए। जैसे-जैसे गाजर पकेगी, उसकी मात्रा कम होती जाएगी।

खोया और केसर मिलाएं

चीनी का पानी सूखने के बाद इसमें कद्दूकस किया हुआ खोआ मिलाएं। यह हलवे को रिच और 'शादी वाला' लुक देने का काम करता है। थोड़े से गुनगुने दूध में गुनगुने दूध में भिगोया हुआ केसर डालें। केसर न सिर्फ बेहतरीन प्राकृतिक रंग देने का काम करेगा, बल्कि हलवे की खुशबू को कई गुना बढ़ा देगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

गणतंत्र दिवस 2026 : कोडरमा जिला प्रशासन की उपलब्धियों का भव्य प्रदर्शन

उपायुक्त ने बागीटांड़ स्टेडियम में किया झंडोत्तोलन

- उत्कृष्ट करने वाले पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, स्वास्थ्य पदाधिकारी/कर्मी व कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित
- आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं योजना के अंतर्गत उपचार में कोडरमा जिला राज्य में दूसरे स्थान पर : उपायुक्त ऋतुराज

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर बागीटांड़ स्टेडियम, कोडरमा में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। उपायुक्त ऋतुराज ने परेड का निरीक्षण करने के उपरांत झंडोतोलन कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर उन्होंने सभी वीर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए समस्त जिलावासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि कोडरमा जिले के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने हेतु जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जिले की प्रमुख उपलब्धियों को साझा करते हुए बताया कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत अप्रैल से दिसंबर 2025 तक 11 हजार से अधिक लाभार्थियों का निःशुल्क उपचार किया गया है। आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं योजना के अंतर्गत उपचार में कोडरमा जिला राज्य में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने बताया कि जिले में आधुनिक मॉड्यूलर ओटी में 5 हजार से अधिक सफल ऑपरेशन किए गए हैं तथा अल्ट्रासाउंड, लैप्रोस्कोपी एवं लेजर सर्जरी जैसी उन्नत सेवाएँ प्रारंभ की गई हैं। अनुमंडलीय अस्पताल डोमचांच में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी, 20 बेड का आईसीयू एवं प्रखंड स्तर पर ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट का निर्माण पूर्ण किया गया है। बेहतर चिकित्सा सुविधा हेतु 45 पैरामेडिकल स्टाफ, 16 विशेषज्ञ चिकित्सक एवं 5 सुपर-स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025 में 904 नए मामलों में समयबद्ध हस्तक्षेप कर लगभग 90 प्रतिशत मरीजों को स्वस्थ किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में सम्पूर्ण शिक्षा कवच कार्यक्रम के माध्यम से कक्षा 10वीं एवं 12वीं (विज्ञान संकाय) के लगभग 4 हजार विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन शिक्षण, निःशुल्क आवासीय कोचिंग तथा विशेष मूल्यांकन के जरिए शैक्षणिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के विभिन्न सूचकांकों एवं प्रोजेक्ट फ्अक्छ केस्त्रूं३ के प्रभावी क्रियान्वयन में अगस्त, सितंबर एवं दिसंबर 2025 में कोडरमा ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उपायुक्त ने बताया कि घने वनों के बीच बसे फुलवरिया टोला (आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय) में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत सितंबर 2025 में 100 से अधिक घरों तक बिजली पहुँचाई गई। साथ ही डीईजीएस कंप्यूटर बेसिक ट्रेनिंग सेंटरों में 200 बच्चों को एनएसक्यूएफ आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में मनरेगा योजना अंतर्गत मानव दिवस सृजन में कोडरमा राज्य में सातवें स्थान पर है, जबकि बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत फलदार पौधारोपण में जिला राज्य में प्रथम स्थान पर है। पीएम- जनमन योजना के तहत 49 आदिम जनजाति परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 80 प्रतिशत पूर्ण कर जिला राज्य में दूसरे स्थान पर है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना में 97 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर तथा अबुआ आवास योजना में 66 प्रतिशत उपलब्धि के साथ कोडरमा ने राज्य में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। मातृत्व सुरक्षा एवं बाल विकास के अंतर्गत सक्षम आंगनबाड़ी व पोषण 2.0 योजना में अक्टूबर, नवंबर एवं दिसंबर 2025 में कोडरमा जिला लगातार प्रथम स्थान पर रहा है। प्रोजेक्ट किलकारी के अंतर्गत इस उत्कृष्ट कार्य को स्काउच अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। धान अधिप्राप्ति 2025 के अंतर्गत जिले के 32 पैक्सों द्वारा लक्ष्य के विरुद्ध 57 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कर कोडरमा जिला राज्य में प्रथम स्थान पर है, जिसके तहत करीब 13 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया गया है। राजस्व न्यायालय वाद निष्पादन दर 94.55 प्रतिशत के साथ जिला राज्य में दूसरे स्थान पर है। जन शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु अंचल-सह-थाना दिवस एवं टएएळअ पोर्टल/एप के माध्यम से प्रभावी निस्तारण किया जा रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में तिलैया डैम को ग्रेड अ पर्यटन स्थल का दर्जा प्राप्त हुआ है, जहाँ वाटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर पार्क एवं झारखंड का प्रथम फ्लोटिंग रेस्टोरेंट सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खेल क्षेत्र में सीडी गर्ल्स हाई स्कूल के ताइक्वांडो प्रशिक्षण केंद्र की बालिकाओं ने फर्स्ट वीमेंस नेशनल चैंपियनशीप 2025 में 4 स्वर्ण एवं 3 रजत पदक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, जिला परिषद् अध्यक्ष रामधन यादव, उप विकास आयुक्त रवि जैन समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों के परिजनों एवं झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, जिला परिषद् अध्यक्ष रामधन यादव, उप विकास आयुक्त रवि जैन समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा अपने कार्यालय में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, स्वास्थ्य पदाधिकारी/कर्मी कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों द्वारा आकर्षक झाँकियाँ प्रस्तुत की गईं। इनमें जिला ग्रामीण विकास शाखा एवं जेएसएलपीएस. द्वारा ग्रामीण विकास विभाग की समेकित क्रियान्वित योजनाएँ, समग्र शिक्षा अभियान कोडरमा द्वारा शिक्षा के बढ़ते कदम, परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा एवं उसका महत्व, समाज कल्याण विभाग एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा सर्वजन पेंशन योजना, झारखंड मुख्यमंत्री गंईयां सम्मान योजना, मिशन वात्सल्य योजना एवं बाल विवाह मुक्त भारत विषय को दशार्या गया। वन प्रमंडल विभाग हमार हाथी 2.0 एप्प की विशेषता को दशार्ता हुआ झांकी निकाली गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त पंचायत अभियान, कृषि, उद्यान, मत्स्य तथा पशुपालन विभाग द्वारा पीएमडीसी(राष्ट्रीय कृषि विकास योजनाझ्प्रति बूंद अधिक फसल), एग्री क्लीनिक तथा पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आवारा/बेसहारा श्वानों के एंटी-रेबीज वैक्सीन से टीकाकरण एवं बधियाकरण का डेमो प्रस्तुत किया गया। नगर परिषद तिलैया एवं नगर पंचायत कोडरमा द्वारा अर्बन ट्रांसफामेंशन चेंज, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा गोवर्धन योजना, हर घर नल से जल, हर घर शौचालय, मॉडल गाँव एवं स्वच्छ गाँव, तथा विद्युत आपूर्ति प्रमंडल द्वारा ऊर्जा में आत्मनिर्भर झारखंड बनाना, सोलर अपनाकर हर घर को जगमगाना एवं स्वच्छ बिजली से राज्य को आगे बढ़ाना थीम पर झाँकियाँ निकाली गईं। झाँकी प्रतियोगिता में प्रथम जिला ग्रामीण विकास शाखा/जेएसएलपीएस द्वितीय वन प्रमंडल एवं तृतीय शिक्षा विभाग स्थान प्राप्त किया गया। उपायुक्त श्री ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक श्री अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, जिला परिषद् अध्यक्ष रामधन यादव, अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स तथा विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य मार्चपास्ट किया गया। इसमें जिला पुलिस बल कोडरमा की प्रथम, द्वितीय एवं महिला प्लाटून, झारखंड गृह रक्षा वाहिनी कोडरमा, वन विभाग कोडरमा, जवाहर नवोदय विद्यालय पुतो कोडरमा, सैनिक स्कूल तिलैया डैम (एनसीसी ग्रुप), ग्रिजली विद्यालय तिलैया डैम, सेक्रेट हार्ट स्कूल झुमरी तिलैया तथा मोडर्न पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया शामिल रहे। जिला पुलिस बल कोडरमा महिला प्लाटून प्रथम, जिला पुलिस बल कोडरमा की प्रथम ने द्वितीय स्थान एवं जिला पुलिस बल कोडरमा की द्वितीय स्थान पर रहे। बैंड ग्रुप में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोडरमा, सेक्रेट हार्ट स्कूल झुमरी तिलैया, मोडर्न पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय जयनगर ने भाग लिया। मार्चपास्ट प्रतियोगिता में प्रथम कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कोडरमा, द्वितीय सेक्रेट हार्ट स्कूल झुमरी तिलैया, एवं तृतीय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय जयनगर स्थान प्राप्त किया गया। उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, जिला परिषद् अध्यक्ष रामधन यादव, अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, अनुमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश मंडल, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी समेत पदाधिकारीगण व काफी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

टीवी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जन भागीदारी जागरूकता बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंजःटीवी मुक्त भारत अभियान के तहत जन भागीदारी स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जन भागीदारी जागरूकता बैडमिंटन चैंपियनशिप2026 का आयोजन स्थानीय फूलों-झानो इंडोर स्टेडियम साहिबगंज में सफलतापूर्वक किया गया। यह चैंपियनशिप दो दिवसीय है, जिसमें जिले के विभिन्न वर्गों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।उक्त चैंपियनशिप का शुभारंभ परियोजना निदेशक, आईटीडीए, साहिबगंज संजय कुमार दास एवं सिविल सर्जन, साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन किया। जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष, विभिन्न विभागों के पदाधिकारीगण, चिकित्सा पदाधिकारी, चिकित्सा कर्मी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं, बल्कि मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाते हैं।

दो दिवसीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन अनुशासित, सुव्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन से जिले में टीवी मुक्त भारत अभियान को नई गति मिलेगी और जन सहभागिता के माध्यम से जागरूकता का सकारात्मक संदेश समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचा।

शैक्षणिक इंटर्नशिप व प्रोजेक्ट वर्क फील्ड विजिट का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंजःदुमका स्थित एएन. कॉलेज के भू-विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों मॉडल कॉलेज राजमहल द्वारा 25 जनवरी को राजमहल पहाड़ क्षेत्र एवं संध्या महाविद्यालय के समीप एक दिवसीय शैक्षणिक इंटर्नशिप एवं प्रोजेक्ट वर्क फील्ड विजिट का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ाए गए सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक भू-क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्रदान करना था। यह फील्ड विजिट मॉडल कॉलेज राजमहल के भू-विज्ञान विभाग के प्राध्यापक प्रो. रणजीत कुमार सिंह के निर्देशन नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने राजमहल पहाड़ियों के भू-वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों का दौरा कर वहाँ पाई जाने वाली शैल संरचनाओं खनिज संसाधनों का गहन अध्ययन किया।अध्ययन के दौरान विद्यार्थियों ने विशेष रूप से आग्नेय, अवसादी चट्टानों की परतों, जीवाश्म पत्तियों लौह अयस्क भू वैज्ञानिक घटना बेंटोनाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का अवलोकन एवं विश्लेषण किया। संध्या महाविद्यालय के समीप स्थित क्षेत्र को भू-विज्ञान अध्ययन के लिए अत्यंत उपयोगी बताया गया, जहाँ प्राकृतिक रूप से स्पष्ट शैल परतें और जीवाश्म संरचनाएँ देखने को मिलीं। इस अवसर पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक भूपेन्द्र दाधिच की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को राजमहल ट्रैप, जीवाश्मों के वैज्ञानिक महत्व, अवसादी संरचनाओं की पहचान तथा फील्ड स्टडी के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों के साथ उनके संवाद से अध्ययन और अधिक ज्ञानवर्धक रहा।आज पर्यटक दिवस पर छात्रों को जियो टूरिज्म के संबंध और संभावनाएं पर विस्तार से जानकारी दी इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों के भीतर भू-विज्ञान विषय के प्रति रुचि, अवलोकन क्षमता एवं शोध दृष्टिकोण को मजबूती मिली। कॉलेज एवं विभाग द्वारा ऐसे फील्ड विजिट को विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया गया। फील्ड भ्रमण में प्रिंस कुमार गुप्ता, खुशी कुमारी शानू हांसदा सांजना सिंह व अन्य उपस्थित थे।

विधिक सेवा प्राधिकार के तहत राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन

अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी भय व प्रलोभन करें

संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में विधिक जागरूकता एवं शपथ-ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत स्तर पर पदस्थापित विधिक स्वयंसेवकों न्याय मित्रों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को लोकतंत्र के महत्व, मताधिकार के प्रयोग निष्पक्ष व निर्भीक मतदान के प्रति जागरूक किया गया। उपस्थित नागरिकों को यह शपथ दिलाई गई कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी भय, अथवा प्रलोभन के करेंगे लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।कार्यक्रम के दौरान महिला, युवा एवं प्रथम बार मतदाता बने नागरिकों को विशेष रूप से मतदान के अधिकार एवं कर्तव्यों की जानकारी दी गई तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित भ्रांतियों को दूर किया गया।उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं में कानूनी जागरूकता बढ़ाना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाना रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने देते हुए बताया कि विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आम नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाता रहेगा, ताकि लोकतंत्र को और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाया जा सके।

विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण जन-जागरण अभियान

- भीबी-जीआरएएम -जी जिला सम्मेलन, मस्तापुर उधवा प्रखंड में भव्य रूप से संपन्न

संवाददाता

साहिबगंजः राजमहल विधानसभा अंतर्गत उधवा प्रखंड के ग्राम मस्तापुर में विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण जन-जागरण अभियानह्व के तहत भीबी-जीआरएएम -जी जिला सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव जी ने की।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ.प्रदीप वर्मा एवं पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में पूर्व विधायक अनंत ओझा,बजरंगी यादव सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता,जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष,पूर्व मंडल अध्यक्ष,कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।डॉ.प्रदीप वर्मा ने कहा कि ह्वप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर बने,हर हाथ को काम मिले और हर परिवार को स्थायी आजीविका का साधन उपलब्ध हो।विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन,कौशल विकास और बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस मिशन के माध्यम से मजदूरों को समय पर मजदूरी, युवाओं को रोजगार और गांवों को समग्र विकास का लाभ मिलेगा।ह्वउन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को विकास की धुरी बनाकर योजनाओं का सीधा लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।पूर्व कृषि मंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि ह्वग्रामीण अर्थव्यवस्था भारत की रीढ़ है।यह मिशन खेती पशुपालन, ग्रामीण उद्योग,जल संरक्षण, सड़क, नाली, विद्यालय,पंचायत भवन जैसे कार्यों के माध्यम से गांवों में बड़े पैमाने पर रोजगार और आजीविका के अवसर पैदा करेगा। इससे पलायन रुकेगा और गांव समृद्ध बनेंगे।ह्वउन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मजदूर, किसान महिला और युवा सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव जी ने कहा कि यह जन-जागरण अभियान गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों को योजनाओं से जोड़ने और विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने का सशक्त माध्यम बनेगा।कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं से जुड़ें और गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं।मंच संचालन कार्यक्रम के जिला संयोजक राजेश मंडल एवम अंत में धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष शलखु सोरेन ने किया ।

पाकुड़ के पूर्व विधायक अकील अख्तर ने थामा एमआईएमआईएम का दामन

संवाददाता

साहिबगंज/पाकुड़ : पूर्व विधायक अकील अख्तर कल हैदराबाद,दारुस्सलाम में,असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ,एमआईएमआईएम का दामन थामा,उसके बाद साहिबगंज,पाकुड़ में चर्चा फैल गई और खासकर एमआईएम आईएम के साहिबगंज में कार्यकताओं में उत्साह का माहौल बन गया।मौके पर के पूर्व संथाल परगना प्रभारी- राशिद खान ने कहा,कि झारखंड मजलिस- में पूर्व विधायक,अकील अख्तर का स्वागत है और अकील अख्तर जैसे दिग्गज नेता के हमारी पार्टी में ज्वाइन करने से बेशक झारखंड मजलिस एमआईएम आईएम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होगी, और हम लोग दमखम के साथ लोगों के बीच जाएंगे और अपनी बात रखेंगे।आगे उन्होंने कहा कि कार्यकताओं में काफी जोश और उत्साह का माहौल है बहुत जल्द कुछ और बड़े नाम झारखंड में शामिल होंगे।

सभी को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई
फराह माजिद

सभी को गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई
शबाना प्रवीन

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर
पर देश व झारखंड वासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं।
पेड़ बचाएं अधिक वृक्ष लगाएं
जिवन बचाएं रक्तदान करें
निवेदक
सैयद फराज अब्बास
समाजसेवी
यूवा सामाजिक कार्यकर्ता रांची झारखंड

गणतंत्र दिवस की हार्दिक
शुभकामनाएं व बधाई
अमरेंद्र कुमार
जिला समादेष्टा
झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, चतरा

77th
गणतंत्र
दिवस
अशुतोष कुमार सिंह | अरुण कुमार सिंह
समाजसेवी

JHARKHAND EDUCATIONAL &
CULTURAL DEVELOPMENT SOCIETY
Telaiya Basti, Jhumri Telaiya, Dist.- Koderma-825409 (Jharkhand), Ph. : 06534-298006, 9431224775, 7766077346
JHARKHAND TEACHERS' TRAINING COLLEGE
JHUMRI TELAIYA, KODERMA
NAAC GRADE-'B'
Recognised by NCTE New Delhi, Affiliated VBU Hazaribag & Approved by Govt. of JAC & Govt. of Ranchi
Ph. : 06534-227007, 226007, Email : jttokoderma10@gmail.com
B.Ed admission through combined entrance test by JCECEB, Ranchi
D.El.Ed admission through college level Entrance test
Admission Open in
B.Ed. | D.El.Ed
Any Inquiry Pl Visit our website &
Dr. Ajay Yadav, Principal
Phone : 7985211285
Admission Coordinator : 7488603776, 9939447474
JHARKHAND VIDHI MAHAVIDYALAYA
JHUMRI TELAIYA, KODERMA
NAAC GRADE-'B'
Recognised By BCI, New Delhi & Affiliated to Vinoba Bhave University & Approved By govt. of Jharkhand, Ranchi
Ph. : 06534-226492, Email : jharkhandvidhimahavidyalaya@gmail.com
Admission Is Going on...
Admission Application is going on through Chancellors Portal
LLB - 3yrs.
B.A LLB - 5yrs.
LLB (Hons)
Office : 06534-226492
Prof. (Dr.) Vikas Rai
Principal, 7004195463
Coordinator 9199029156
Head Clerk 9934421032
JHARKHAND EVENING (DEGREE) COLLEGE
JHUMRI TELAIYA, KODERMA
Affiliated By Vinoba Bhave Hazaribag & Approved By Govt. of Jharkhand, Ranchi
Ph. : 06534-299986, Email : jeckoderma@gmail.com
Admission Application is going on through Chancellors Portal
Admission Going on...
If any Inquiry pl contact :
Principal : 7394889030
Office Coordinator : 6205010113, 6205728821, 9939447474
Arts & Commerce Hons. & Pass Course
JHARKHAND COLLEGE OF PHARMACY
Recognized by : Pharmacy Council of India, New Delhi
Affiliated / Approved by : Ministry of Health & Family Welfare Govt. of Jharkhand, Ranchi
Under the Aegis of JECDS Koderma / AP Memorial Trust
Admission Going on...
2025-27 Exam 2nd Batch, Session - 2024-26
Diploma in Pharmacy (D.Pharma)
Bishunpur Ashram Road, Jhumri Telaiya, Koderma (Jharkhand)
Mob.- 06534-298006, 9798995506, 8789071860, 9939447474
Email : jharkhandcollegeofpharmacy@gmail.com / Website : www.jharkhandcollegeofpharmacy.com

झा. मु. मो.
आप सभी जिलावासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
झा॰ मु॰ मो॰
निलेश ज्ञासेन
झा॰ मु॰ मो॰ जिलाध्यक्ष चतरा
सह कबरा पं॰ मुखिया

गणतंत्र दिवस
के अवसर पर
सिल्ली बंता
हजाम एवं
समस्त झारखंड
व देशवासियों को
हार्दिक
शुभकामनाएं
निवेदक
अभय मांझी
पूर्व पंसस बंता
हजाम दक्षिणी

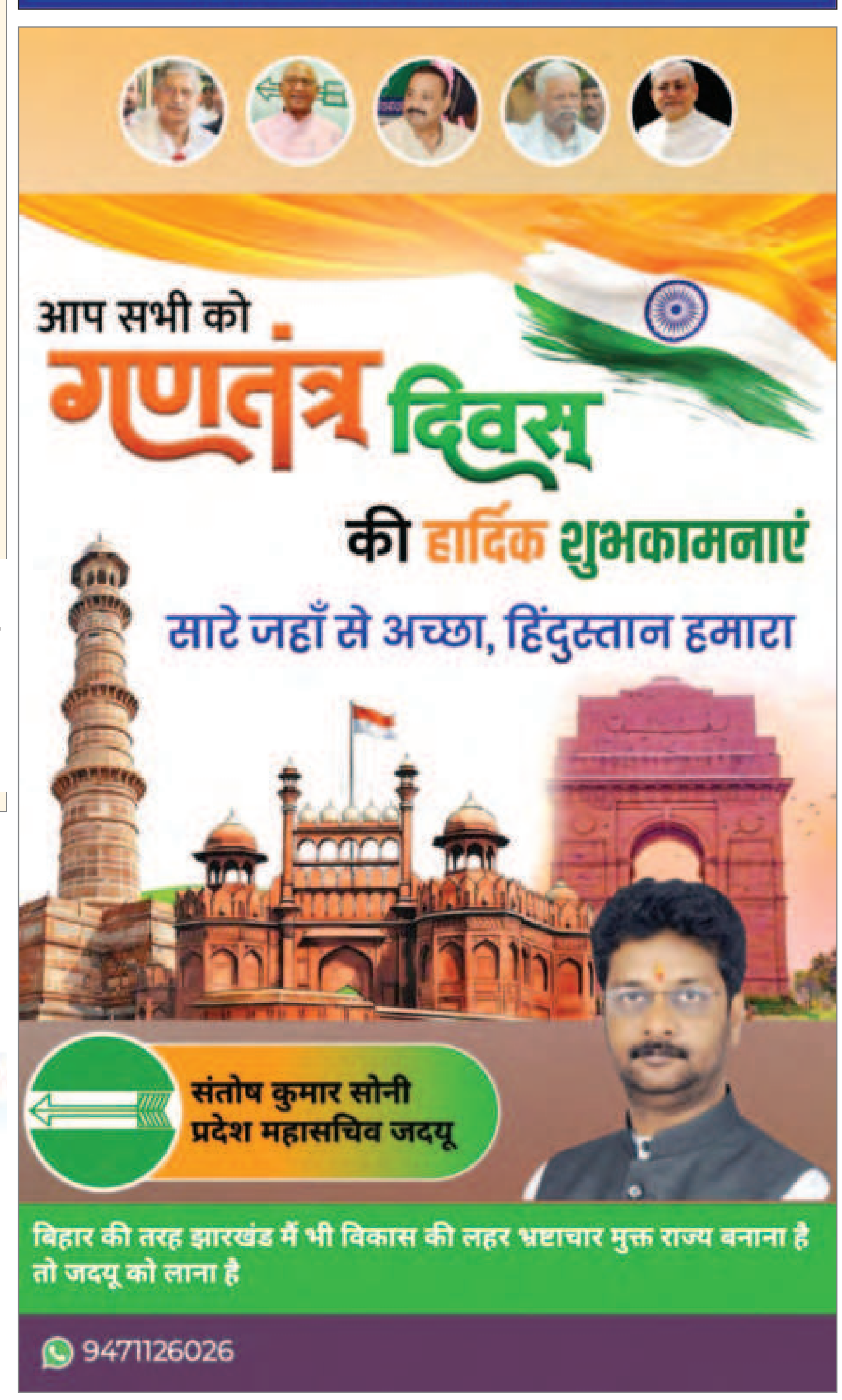
आप सभी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सारे जहाँ से अच्छा, हिंदुस्तान हमारा
संतोष कुमार सोनी
प्रदेश महासचिव जदयू
बिहार की तरह झारखंड में भी विकास की लहर भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाना है
तो जदयू को लाना है
9471126026

क्या धुरंधर 2 और टॉक्सिक से सहमी धमाल 4

इस साल ईद के मौके पर कई बहु प्रतीक्षित फिल्में सिनेमाघरों में सजने वाली है। इनमें धुरंधर 2 और यश अभिनीत टॉक्सिक की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। इसके अलावा मल्टी स्टारर फिल्म धमाल 4 भी ईद के अवसर पर ही रिलीज होने वाली थी। मगर, अब इसकी रिलीज डेट पोस्टपोन हो चुकी है।

कब रिलीज होगी धमाल 4

फिल्म धमाल 4 के लिए अब दर्शको को थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि यह फिल्म इस साल जून में रिलीज होगी। आज शनिवार को ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स पर ट्वीट साझा किया है। इसके साथ उन्होंने फिल्म की नई रिलीज डेट साझा करते हुए लिखा है, अजय देवगन, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे सितारो से सजी धमाल 4 अब 12 जुन 2026 को रिलीज होगी।

अखबार के डिजाइन की तर्ज पर जारी किया पोस्ट

मेकर्स ने एक पोस्टर जारी किया है, जिसका डिजाइन अखबार की तर्ज पर है। इस पर लिखा है, धमाल टाइम्स। हेडिंग है, ब्रेकिंग न्यूज- धमाल 4 अब 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। अब धमाल बोला है तो करना ही पड़ेगा। बने रहिए साथ। बता दे कि बीते वर्ष दिसंबर में धुरंधर थिएटर्स में रिलीज हुई। आते ही इसने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया। साथ ही इसके दूसरे पार्ट का एलान हो गया। धुरंधर पार्ट 2 के एलान के बाद खबरें आईं कि धमाल 4 की रिलीज डेट बदली जा रही है और अब यह फिल्म मई में रिलीज होगी। अब मेकर्स ने नई रिलीज डेट का एलान कर दिया। दर्शक जून में फिल्म का लुत्फ उठा सकेंगे।

धमाल 4 की स्टारकास्ट

धमाल फ्रेंचाइजी की इस चौथी किस्त में अजय देवगन, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे सितारे नजर आएंगे। इसके अलावा रवि किशन भी फिल्म का हिस्सा है। वे विलेन के किरदार में नजर आएंगे। साथ ही संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख और अंजलि आनंद भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

डेटिंग के लिए प्रोफेशन नहीं, इंसान मायने रखता है

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी जोशी अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती हैं। उन्होंने हाल ही में डेटिंग और रिलेशनशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। अभिनेत्री ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट ऑनेस्टली, व्हाई नॉट? में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। इस शो में होस्ट ने अभिनेत्री से मनोरंजन जगत के लोगों को डेट करने के बारे में सवाल किया था। होस्ट ने पूछा था कि क्या वे इंडस्ट्री के लड़कों को डेट करना पसंद करेंगी या नहीं। इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने साफ तरीके से कहा कि उनके लिए किसी भी रिश्ते की नींव इंसानियत, आदर और आपसी समझ पर टिकी होना जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे नही लगता कि प्यार का किसी इंडस्ट्री या प्रोफेशन से कोई लेना-देना है। यह पूरी तरह से इंसान पर निर्भर करता है। असल में ये सब सम्मान, समझदारी, सच्चा प्यार और अच्छे मूल्यों पर आधारित होता है। इसलिए किसी का प्रोफेशन मेरे लिए मायने नही रखता है।

हालांकि, अभिनेत्री अपनी लव लाइफ को लेकर काफी सुर्खियो में रहती हैं। उनका नाम मोहसिन खान और कुशाल टंडन के साथ जोड़ा जाता है। शिवांगी ने अपने करियर में टीवी से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक में काम किया है, लेकिन आज भी फैंस उन्हें ये रिश्ता क्या कहलाता है से पहचानते हैं। इस शो में वे नायरा के किरदार में नजर आई थी। शो में उनके अपोजिट मोहसिन खान नजर आए थे। कहा जाता है कि शो के दौरान दोनों रिलेशन में थे। हालांकि, फिर उन्होंने ब्रेकअप कर लिया था, लेकिन दोनों ने कभी भी अपने ब्रेकअप को लेकर बात नही की। इसके बाद अभिनेत्री टीवी सीरियल बरसातें में नजर आई थी। इसमें उनके साथ कुशाल टंडन थे। शो के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में प्यार में बदल गई थी। वहीं, कुछ समय बाद उनके ब्रेकअप की खबरें सामने आईं। इस बात की पुष्टि खुद कुशाल ने सोशल मीडिया पर की थी, यह बताते हुए कि वे अब साथ नही हैं और उनकी सोच नही मिलती थी।

डॉन-3 में शाहरुख खान की होगी वापसी

फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'डॉन-3' एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में शाहरुख खान की वापसी हो सकती है। बताया जा रहा है कि फरहान अख्तर और किंग खान के बीच फिल्म को लेकर दोबारा बातचीत शुरू हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख खान ने फिल्म में लौटने के संकेत तो दिए हैं, लेकिन एक खास शर्त के साथ। एक्टर चाहते हैं कि 'डॉन-3' का निर्देशन साउथ के चर्चित डायरेक्टर एटली करें। शाहरुख ने फरहान के सामने यह प्रस्ताव रखा है कि अगर एटली इस प्रोजेक्ट से जुड़ते हैं, तो वह फिल्म मे वापसी पर विचार कर सकते है। बता दे कि शाहरुख औ एटली जवान मे साथ काम कर चुके हैं। एटली के निर्देशन मे शाहरुख की ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। रणवीर सिंह के बाहर होने के बाद ऋतिक रोशन को भी 'डॉन-3' ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने भी फिल्म करने से इनकार कर दिया। मूवी टॉकीज की रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक इन दिनो 'कृष-4' से डायरेक्टोरियल डेब्यू की तैयारी में हैं और उनके पास कई बड़ी पैन इंडिया फिल्में भी लाइनअप में है।

प्रियंका चोपड़ा ने बहन मीरा चोपड़ा की गांधी टॉक्स का किया समर्थन

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स के टीजर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए खुलकर सराहना की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर टीजर शेयर करते हुए इसे 'अमेजिंग' बताया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता और भी बढ़ गई है। प्रियंका का यह समर्थन न सिर्फ बहन के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है, बल्कि मीरा के कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर बढ़ाए गए साहसी कदम की सराहना भी करता है। किशोर बेलेकर के निर्देशन में बनी गांधी टॉक्स एक मूक (साइलेंट) और ध्यानात्मक फिल्म है, जिसे इसकी अनोखी कहानी कहने की शैली सबसे खास बना देती है। यह फिल्म संवादों के बजाए विजुअल्स, अभिनय और भावनाओं के माध्यम से अपनी बात कहती है, जो दर्शकों को एक गहरे और आत्ममंथन भरे अनुभव में ले जाती है। फिल्म से जुड़े होने पर ऑस्कर विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान ने भी इसकी अनूठी सोच और विजन की सराहना की है। रहमान का समर्थन फिल्म की भावनात्मक गहराई और सादगी को और मजबूती देता है तथा इसके रचनात्मक दृष्टिकोण की पुष्टि करता है। मीरा चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस पिंकमून मेटा स्टूडियोज के बैनर तले बनी यह फिल्म, निर्माता के रूप में उनके करियर की एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। इस फिल्म में विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी जैसे दमदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएँगे।

इमरान हाशमी ने बताया कैसे तोड़ी सीरियल किसर की इमेज

इमरान हाशमी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'तस्करी-द स्मगलर्स वेब' को लेकर चर्चाओं में हैं। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस सीरीज में इमरान हाशमी ने कस्टम ऑफिसर की भूमिका निभाई है। इस बीच अब इमरान ने अपनी सीरियल किसर और लवर बॉय वाली छवि को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह वो इस छवि से बाहर निकलने का प्रयास कर रहे हैं।

कई फिल्मों से बनी इमेज, ऐसे टूटी

बातचीत के दौरान इमरान हाशमी ने खुद के टाइपकास्ट किए जाने पर बात की। उन्होंने कहा कि कोई एक भूमिका नही है, यह कभी एक नही होती। यह हमेशा एक यात्रा होती है। 'शंघाई' और 'टाइगर 3' जैसी फिल्मों ने उनके प्रति लोगों की सोच को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक तरह से 'जन्नत' ने इस छवि को तोड़ा। जैसा कि 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई' ने किया। तो किसी एक फिल्म से नहीं बल्कि कई फिल्मों का नतीजा था।

खुद को मिली आलोचनाओं को गलत नहीं मानते इमरान

अपने करियर की शुरुआत में मिली आलोचनाओं को याद करते हुए, इमरान ने कहा कि उन्हें यह गलत नही लगी। एक्टर ने कहा कि मै यह नही कहूंगा कि आलोचक गलत थे। फिल्मों को लेकर उनकी अपनी राय थी, लेकिन मुझे पता था कि मै यह कर सकता हू। इसलिए मैने उन्हे जवाब देते हुए कहा कि मै शंघाई जैसी फिल्म बना सकता हू। इसलिए अगर आप कहते हैं कि मै सिर्फ एक ही तरह की फिल्म कर सकता हू, तो दिबाकर बनर्जी जैसे निर्देशक के साथ मै यह कर सकता हू। इसलिए यह कुछ चीजो को साबित करने की बात थी, न सिर्फ खुद को।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' ने युवाओं से जोड़ा

इमरान हाशमी आर्यन खान के शो द बैड्स ऑफ बॉलीवुड अपने ही किरदार में नजर आए थे। इसके बाद वो काफी वायरल हो गए थे। ऐसे मे क्या इससे उनके करियर पर कोई असर पड़ा, इसको लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सच में नही पता कि इसका मेरे लिए क्या असर होगा। लेकिन रिलेवेंट बने रहना बहुत मुश्किल है। जब द बैड्स ऑफ बॉलीवुड जैसी कोई फिल्म आती है, तो वह जेनरेशन की आवाज बन जाती है।

वायरल होना समझ में नहीं आता

डिजिटल युग में वायरल होने की बात करते हुए इमरान ने कहा कि मुझे यह वायरल होना समझ नहीं आता। मुझे नही पता कि यह कैसे काम करता है। इसे बनाया नहीं जा सकता। यही तो असली बात है। हां, बहुत सी चीजें बनाई जा रही हैं। आप अभी इंस्टाग्राम पर कुछ भी खरीद सकते हैं, लेकिन यह कमाल है। यह कुछ ऐसा है जिसकी कोई कीमत नही है।

'तस्करी' में निभाई कस्टम ऑफिसर की भूमिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो इमरान हाशमी हाल ही में नीरज पांडे की वेब सीरीज 'तस्करी- द स्मगलर्स वेब' में नजर आए हैं। यह एक एक्शन-क्राइम-थ्रिलर है। इसमें उनके साथ शरद केलकर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इमरान हाशमी ने इस सीरीज में कस्टम ऑफिसर की भूमिका निभाई है। इससे पहले इमरान हाशमी पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'हक' में नजर आए थे।

पद्मश्री सम्मान पर हॉकी इंडिया ने सविता पुनिया और बलदेव सिंह को दी बधाई

ई दिल्ली : हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी म की दिग्गज गोलकीपर सविता पुनिया और पूर्व रतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व कोच बलदेव सिंह ो प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किए जाने र हार्दिक बधाई दी है। यह सम्मान भारतीय हॉकी ौर खेल जगत में उनके अतुलनीय योगदान के नए दिया गया है। भारतीय हॉकी की मजबूत स्तंभ ानी जाने वाली सविता पुनिया ने 20 वर्ष की उम्र सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था ौर तब से वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों में ुमार हैं। अपने धैर्य, निरंतरता और नेतृत्व क्षमता लिए पहचानी जाने वाली सविता पिछले एक शक में वैश्विक मंच पर भारतीय महिला हॉकी के नरुत्थान का अहम चेहरा रही हैं। वर्ष 2025 में विता ने 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे कर एक तिहासिक उपलब्धि हासिल की और ऐसा करने ाली पीआर श्रीजेश के बाद दूसरी भारतीय ोलकीपर बनीं, जो उनके लंबे और शानदार रियर को दर्शाता है।

सविता ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय हिला टीम के ऐतिहासिक चौथे स्थान हासिल रने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने विश्व र पर भारतीय महिला हॉकी की पहचान को नई ंचाई दी। इसके अलावा, रियो ओलंपिक 2016 ौर 2018 हॉकी महिला विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अहम रहा, जहां भारत क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रहीं सविता के नेतृत्व में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। इनमें 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का कांस्य पदक, ऋक्ष्ऋ नेशंस कप का खिताब, और 2023 व 2024 महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार दो स्वर्ण पदक शामिल हैं, जो एशिया में भारत के बढ़ते दबदबे को दर्शाते हैं।

उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सविता को 2018 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा वह हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड (2022, 2023) की दो बार विजेता रह चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ऋक्ष्ऋ गोलकीपर ऑफ द ईयर का पुरस्कार तीन लगातार सत्रों (2020झ21, 2021झ22, 2022झ23) में मिला।

वहीं, पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बलदेव सिंह को खिलाड़ी और कोच दोनों रूपों में हॉकी के प्रति उनके असाधारण योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। उन्होंने 1976 मॉन्ट्रियल ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और तीन हॉकी विश्व कप खेले – 1971 बार्सिलोना (कांस्य पदक), 1973 एम्स्टर्डम (रजत पदक) और 1978 ब्यूनस आयर्स।

वह 1970 और 1974 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे।

खिलाड़ी के रूप में करियर समाप्त करने के बाद बलदेव सिंह भारत के सबसे प्रभावशाली कोचों में से एक बने। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया, जिनमें ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ संदीप सिंह, पूर्व भारतीय महिला टीम कप्तान रानी रामपाल, साथ ही दीदार सिंह, संजीव कुमार डांग, हरपाल सिंह और नवजोत कौर जैसे नाम शामिल हैं।

कोचिंग और खिलाड़ी विकास में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें पहले ही 2009 में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा,

ह्लसविता और श्री बलदेव सिंह को मिला पद्मश्री सम्मान पूरे हॉकी जगत के लिए गर्व का क्षण है। सविता ने विश्व हॉकी में गोलकीपिंग के मानकों को नई ऊंचाई दी है और 300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना उनकी प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता को दर्शाता है। वहीं बलदेव सिंह की खिलाड़ी और कोच के रूप में विरासत अद्वितीय है, जिससे पीढ़ियों ने लाभ उठाया है।ह्व

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा,

सविता की यात्रा समर्पण और दृढ़ संकल्प की मिसाल है, जो देशभर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करती है। बलदेव सिंह ने अपना पूरा जीवन प्रतिभाओं को निखारने और भारतीय हॉकी को जमीनी स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक मजबूत बनाने में लगाया है। यह सम्मान पूरी तरह से उनके दशकों के निस्वार्थ योगदान को मान्यता देता है।

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

ममता हंगामा सुब्बा
(प्राचार्य)
ग्रेस हार्ट स्कूल, खूंटी

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

अमिर हुसैन
जिला अध्यक्ष
युवा कांग्रेस, खूंटी

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

खुशबू तिर्की
प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी
खूंटी

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

भूपेंद्र कंसारी
सचिव अल्मा मेटर
दूसरा तल्ला गोपाद काम्प्लेक्स
नेताजी चौक के समीप, खूंटी

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

रवि मिश्र
जिला अध्यक्ष
कांग्रेस पार्टी, खूंटी

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

अंचल अधिकारी
खूंटी

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

लघु सिंचाई प्रमंडल
खूंटी

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

प्रखंड विकास पदाधिकारी
खूंटी

साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह कि ओर से साहिबगंज जिलावासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

अमित कुमार सिंह
पुलिस अधीक्षक
साहिबगंज

77वें गणतंत्र दिवस पर खूंटी जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

सृष्टि दीपप्रिया मिंज
कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत खूंटी

जिला समाज कल्याण पदाधिकार की ओर से 77वें गणतंत्र दिवस पर साहिबगंज जिलावासियों को बधाई

वित्तीय वर्ष 2025–26 में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का आवेदन ऑनलाईन पोर्टल savitribaipksy.jharkhand.gov.in के माध्यम से ली जा रही है। आवेदन देने की प्रक्रिया निम्न प्रकार है–

1. कक्षा 08 से 12 तक के e-vidhayavahni portal में पजीकृत छात्राओं का आवेदन विद्यालय से संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को ऑनलाईन के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है।

2. 18–19 वर्ष के लाभुको का आवेदन ऑफलाईन सबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालय में लिया जा रहा है।

निवेदक :– जिला प्रशासन

निवेदक :- जिला प्रशासन

77वें गणतंत्र दिवस पर चतरा जिलावासियों को बधाई व शुभकामनाएं

संदीप सुमन
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी
चतरा

जिला सविल सर्जन पदाधिकारी की ओर से 77वें गणतंत्र दिवस पर साहिबगंज जिलावासियों को बधाई

मलेरिया विभाग, साहिबगंज